Bal Bharati PUBLIC SCHOOL
Sector-21, Noida, G.B. Nagar

बाल सभा गतिविधि : अंतर्कक्षीय संस्कृत श्लोक प्रतियोगिता

"संस्कृत केवल एक मात्र भाषा नहीं है अपितु एक विचार, एक संस्कृति व संस्कार है।"

श्लोकोचारण में सक्रिय प्रतिभाग करते विद्यार्थी

संस्कृत भाषा से ही अन्य भाषाओं का उद्गम हुआ है। यह भाषा ही नहीं है यह अपने आप में पूरे वेदों, शास्त्रों और ब्रह्मांड के संपूर्ण ज्ञान को समेटे हुए है। आज संस्कृत भाषा विलुप्त होती जा रही है जो कि हमारी भारतीय संस्कृति के लिए अच्छा नहीं है यह भाषा भारत की रीड की हड्डी है इसे जीवित करना हमारा लक्ष्य है। श्लोकों का जाप मन को सक्रिय करता है,एकाग्रता शक्ति को बढ़ाता है और याददाश्त को तेज करता है। मस्तिष्क को समुचित कार्य करने के लिए अधिक ऑक्सीजन की जरूरत होती है। श्लोकों का जाप करने के दौरान लयबद्ध या विशेष तरीके से श्वास ली जाती जो मस्तिष्क को तेज करने में मदद करती है। श्लोकों के जप के दौरान हमारे शरीर में एक अलग तरह का लयबद्ध कंपन होता है, इसका शरीर पर चिकित्सकीय प्रभाव होता है। विगत वर्ष की तरह ही संस्कृत भाषा के संवर्धन में प्रयासरत रहते हुए बाल भारती विद्यालय,नोएडा की प्रधानचार्या **श्रीमती आशा प्रभाकर जी** के मार्गदर्शन में इस वर्ष भी संस्कृत दिवस के अवसर पर प्राथमिक वर्ग में **अंतर्कक्षीय संस्कृत श्लोक गायन प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों के बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और संस्कृत भाषा के महत्व से अवगत हुए। कक्षा प्रथम और द्वितीय के बीच हुई प्रतियोगिता में **द्वितीय कक्षा की रियांशी ने प्रथम, कक्षा प्रथम की नितिका श्री ने द्वितीय** और **कक्षा प्रथम के शिवेश दान ने तृतीय स्थान** प्राप्त किया। यह कार्यक्रम बच्चों के आर्द्र उपवन रूपी मन में संस्कृत प्रेम रूपी पुष्प खिलाने में पूर्णतया सफल रहा ।

गुरुमहिमा का गान करती छात्रा

संगीत और नैतिक शिक्षा की लयबद्ध प्रस्तुति

संयोजिका	प्राथमिक मुख्य अध्यापिका	प्रधानाचार्या
श्रीमती रेनू पांडे	श्रीमती विनाया पुजारी	श्रीमती आशा प्रभाकर